

प्रमाणपत्र



मैं संस्तुति करता हूँ
कि इस लघु-शोध प्रबंध
को परीक्षा हेतु
अप्रेषित किया जाए।

20 अक्टूबर, १९९५

अध्यक्ष,

हिन्दी विभाग,

शिवाजी विश्वविद्यालय,

कोल्हापूर

प्र ति ज्ञा प त्र

मैं यह प्रमाणित करता हूँ कि, डॉ. सुनीलकुमार लवटेजी के निर्देशन में, 'हिन्दी की विद्रोह कहानियों का अध्ययन' ('विद्रोह की कहानियाँ' - सं: गिरिगजशरण के विशेष संदर्भ में) लघुशोध-प्रबंध मैंने शिवाजी विश्वविद्यालय की एम्. फिल. उपाधि के हेतु लिखा है । जो तथ्य प्रबंध में प्रस्तुत किये गये हैं, मेरी जनकारी के अनुसार वे सही हैं और वे सर्वथा मेरे अध्ययन, अनुसंधान एवं चिन्तन की उपज हैं । यह लघुशोध-प्रबंध पूर्णतः मेरी अध्यवसायिता की उपज है ।

कोल्हापुर

दिनांक : 20/10/1994



(दिलीप पटील)

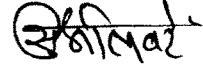
शोध-छात्र

प्र मा ष प त्र

मैं यह प्रमाणित करता हूँ कि, श्री दिलीप जनार्दन पाटील ने मेरे निर्देशन में 'हिन्दी विद्रोह मूलक कहानियों का अध्ययन' ('विद्रोह की कहानियाँ' - सं. गिरिराजशरण के विशेष संदर्भ में) लघु-शोध-प्रबंध शिवाजी विश्वविद्यालय की एम्.फिल्. उपाधि के हेतु लिखा है। जो तथ्य प्रबंध में प्रस्तुत किए गये हैं, मेरी जानकारी के अनुसार वे सही हैं। संपूर्ण लघुशोध-प्रबंधको आद्योपंत पढ़कर ही मैं यह प्रमाण-पत्र दे रहा हूँ।

कोल्हापुर

दिनांक : 20 / अक्टू 1994



(डॉ. सुनीलकुमार लवटे)

शोध-निर्देशक

.....